आज का पुरुषार्थ 27 May 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" आज से अपने बुद्धि को ईश्वरीय पढ़ाई से दिव्य बनाने का पुरुषार्थ करे, ४ सब्जेक्ट की पढाई "*

हम सभी संसार में कितने भाग्यवान है कि स्वयं भगवान हमें पढ़ाने आते है, रोज आते है। हमें साथ देते है, हम godly student है।

हमारी life सबसे सुन्दर है। सवेरे-सवेरे अगर पढ़ाई के समय यह नशा रहे

" मैं गॉडली स्टूडेंट हूँ .. भगवान मुझे पढ़ाने आते है "

... तो यह मुरली हमारे जीवन को महान परिवर्तन करने वाली बन जायेंगी।

मुरली गुह्य रहस्यों से भरी हुई है। बहुत secrets इसमें समाये हुए है। अगर हम **आत्म-अभिमानी** होकर और ईश्वरीय नशें में स्थित होकर इसको सुनते है तो हमारी पढ़ाई जीवन को बहुत महान बना देती है। हमें देवत्व की ओर ले चलती है।

तो आइये हम सब उमंग रखें, हमें इस पढ़ाई में pass with honour होना है या first class लानी है। तो हम अपना नम्बर चुन ले, fixed कर दे। इस पढ़ाई में, फाइनल में मेरा नम्बर यह होगा।

और नम्बर मिलेगा तीन आधार से। पहला होगा .. कितनों को योग्य बनाया। दुसरा होगा .. पूरा जीवन कितना निर्विघ्न होकर रहे। और तीसरा होगा .. कितने शक्तिशाली बने। यानी **योगयुक्त स्थिति** कितनी रही।

इस पढ़ाई में हमारी 4 subjects है। चारों ही सबजेक्ट में जो नब्बे प्रतिशत से अधिक मार्क्स लेंगे वे टप रैंक में आयेंगे। जो पचहत्तर से नब्बे प्रतिशत के बींच में होंगे वे सब फर्स्ट डिविजन में आ जायेंगे। और जो साठ के आस-पास होंगे वे सब सेकण्ड डिविज़न में आयेंगे।

तो हमें महान **लक्ष्य** रखना है। इस पढ़ाई के द्वारा अपने को रोज़ नये-नये गुह्य रहस्यों से भरपूर करना है। यह ईश्वरीय पढ़ाई हमारी **बुद्धि को दिव्य बुद्धि बना देती है।**

इस पढ़ाई से हमारी बुद्धि ईश्वरीय बुद्धि बन जाती है। और हमारी बुद्धि में ऐसी शक्ति आ जाती है जो जन्म-जन्म यह **श्रेष्ठ बुद्धि** हमारी साथ चलती है।

जीवन में **बुद्धि** सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बुद्धि के द्वारा हम मन को नई दिशा दे सकते है। इसके द्वारा हम जीवन में **श्रेष्ठ निर्णय** ले सकते है। बुद्धि के द्वारा ही हम हर कार्य में perfect हो सकते है।

तो ऐसी **श्रेष्ठ बुद्धि का भाग्य** हम बाबा के द्वारा इस **पढ़ाई** से यहाँ पर प्राप्त करते है। तो हमें इस पढ़ाई पर बहुत ध्यान देना है। पढ़ाई का अर्थ यह कदापि नहीं कि सारा दिन मुरली सुनते रहे!

पढ़ाई का अर्थ है **मुरली** को जीवन में धारण करना। हमारा जीवन ईश्वरीय ज्ञान का स्वरुप बन जाये। ज्ञान के सबजेक्ट में फुल मार्क्स लेने के लिए ज्ञान चिन्तन करे, ज्ञान बुद्धि में घूमते रहे।

योग के सबजेक्ट के लिए योगयुक्त जीवन। हमारा योगयुक्त हो जाये। हमें लगे कि हम सारे दिन में अधिक से अधिक समय ईश्वरीय मिलन में रहते है।

उसकी शक्तियाँ हमें मिलती रहती है। या उनका साथ हमें सदा प्राप्त होता रहे।

सभी धारणायें जीवन में आ जाये। और सेवा में हम **निष्काम सेवाधारी** बन जाये। सेवा भाव भी रहे और सेवा अभिमान से रहित हो निष्काम भाव से सेवा करे।

तो इन चार सबजेक्ट के द्वारा हम pass with honour का certificate ले सकते है। तो आज सारा दिन हम बहुत अच्छी तरह याद रखेंगे ....

*" **मैं भगवान का स्टूडेंट हूँ**.. पास विद ऑनर बन विजयमाला माला में आने वाली हूँ.. स्वयं भगवान सामने बैठकर मुझे पढ़ा रहे है.. उन्होंने अपना वरदानी हाथ मेरे सिर के ऊपर रखे है.. और मुझे दृष्टि दे रहे है "*

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org